>

Title: Need to release a commemorative stamp in honour of Freedom Fighter Chaudhary Raghuveer Narain Singh.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): उत्तर भारत के प्रमुख जमींदार परिवार में 23 मई 1875 को जन्मे चौधरी रघुबीर नारायण सिंह हापुड़ नगर के प्रथम अध्यक्ष व स्पेशल मजिस्ट्रेट रहे थे। राय साहब के खिताब से नवाजे गए रघुबीर नारायण सिंह महात्मा गांधी से प्रेरित होकर जंग-ए-आजादी में कूदे और कांग्रेस से जुड़े। नवंबर, 1921 में गढ़मुक्तेश्वर के गंगा मेले में आहूत कांग्रेस के प्रांतीय सम्मेलन की अध्यक्षता भी की। रघुबीर नारायण सिंह देश के पहले जमींदार थे जिन्होंने राय साहब की पदवी लौटाकर ग्रामीण इलाकों में अंग्रेजों के खिलाफ माहौल बनाना शुरू कर दिया, परिणामस्वरूप उनको अक्तूबर, 1922 में पहली बार गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। देश आजाद होने तक उन्हें 4 बार गिरफ्तार किया गया। रघुबीर नारायण सिंह का असौड़ा स्थित आवास क्रांतिकारियों व देश भक्तों का अड्डा रहा। गांधी जी के अलावा सुभाष चंद्र बोस, पं. मोतीलाल नेहरू व जवाहरलाल नेहरू जैसे शीर्ष नेताओं की वहां आवाजाही रहती थी। गांधी जी के नमक कानून तोड़ो आंदोलन की अगुवाई पश्चिमी उ.प्र. में रघुबीर नारायण सिंह ने की थी तथा असौड़ा से मार्च निकाल कर हिंडन के तट पर लोनी में 13 अप्रैल, 1938 को नमक बनाकर अंग्रेजी कानून को तोड़ा। इस जुर्म में उन्हें तथा पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह को भी पुलिस पकड़कर ले गई। रघुबीर नारायण सिंह कांग्रेस व आजादी की जंग लड़ने वालों की निरंतर आर्थिक मदद भी करते थे। गांव असौड़ा के अलावा उनके मेरठ स्थित आवास का इस्तेमाल भी कांग्रेस दफ्तर के रूप में होता रहा। विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार व स्वदेशी आंदोलन में हमेशा बढ़-चढ़कर भाग लेने वाले रघुबीर नारायण सिंह ने मेरठ में विशाल गांधी आश्रम एवं दलित उत्थान की भावना से ओत-प्रोत होकर दलित छात्रों के लिए कुमार आश्रम नाम से छात्रावास की स्थापना की। अरबों रूपये की गांधी आश्रम की भूमि का मात्र एक रूपये में संस्था के नाम बैनामा करके महात्मा गांधी के खादी आंदोलन को ताकत दी। असहयोग आंदोलन से लेकर सविनय अवज्ञा व भारत छोड़ो आंदोलन में रघुबीर नारायण सिंह की महती भूमिका रही। अगस्त, 1946 में मेरठ में आयोजित कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन की स्वागत समिति के वह अध्यक्ष भी रहे। रघुबीर नारायण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी जी के बनाए सिद्धांतों पर चलते रहे। नित चरखा चलाकर सूत कातना उनकी दिनचर्या में शामिल रहा।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चौ. रघुबीर नारायण सिंह की स्मृति में डाक टिकट जारी करके सरकार संपूर्ण देश की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करे।